Vastuland.com
Info@vastuland.com
Nagpur : : Mumbai : : Indore : : Jabalpur : : Bilaspur : : Bhopal
Vastu land
The Land Bank
An ISO 9001:2000 Certified Company

फोरलेन के लिए प्रक्रिया शुरू

योजना फिजिबिलिटी टेस्ट के लिए मंगाए गए टेंडर, पूरी सड़क का सर्वे होगा

भास्कर न्यूज़ | बिलासपुर

बिलासपुर-रायपुर फोरलेन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। फोरलेन बनने से न्यायधानी से राजधानी तक का सफर करने वालों का समय बचने के साथ-साथ काम भी जल्दी पूरा होगा। इससे लोगों को आर्थिक और मानसिक दोनों ही तरह की तकलीफ से निजात मिल जाएगी। फोरलेन के फिजिबिलिटी टेस्ट के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। पूर्व में बुलाई गई निविदा अमान्य कर नए सिरे से इसकी प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

फिजिबिलिटी टेस्ट का काम जो भी कंपनी करेगी, उसे बिलासपुर-रायपुर मार्ग के यातायात का सर्वे करना होगा। फिलहाल टेंडर फार्म बिक्री की प्रक्रिया ही चल रही है। सितंबर माह में यह तय होगा कि सड़क के भौतिक सत्यापन का काम कहां की कंपनी करेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 200 के 8.20 किलोमीटर से 116 किलोमीटर तक के भाग में फोरलेन

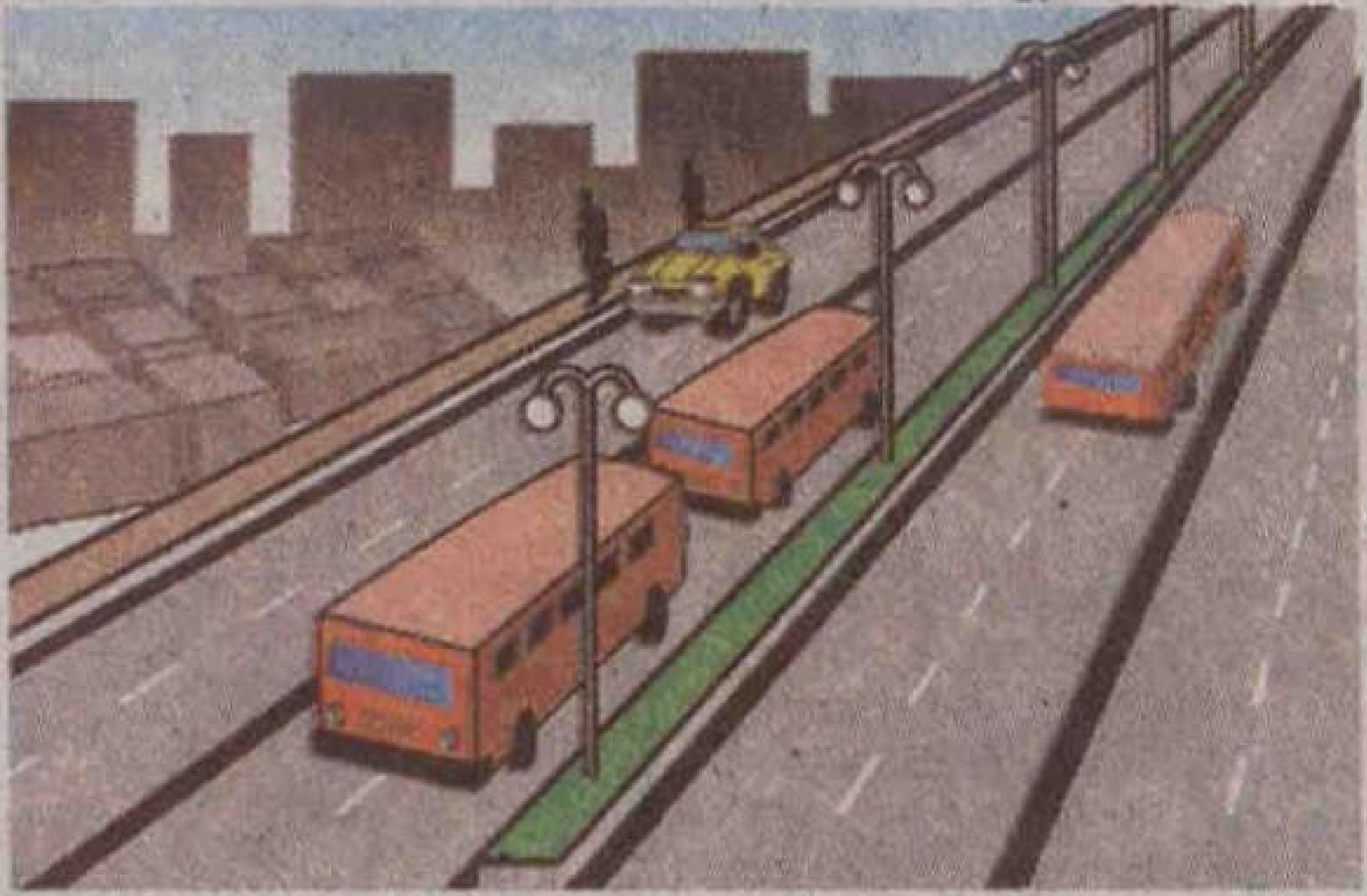

डीबीएफओटी पैटर्न पर निर्माण के लिए फिजिबिलिटी स्टडी किया जाना है, इसका समावेश एमओआरटी एंड एच नई दिल्ली के वर्ष 2009-10 के वार्षिक प्लान में किया गया है। यह काम पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप योजना के तहत की जानी है। इससे पहले मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाइवेज ने 2 फरवरी 2009 द्वारा मंगाई गई निविदा को 15 जुलाई 2009 को अमान्य कर पुनरीक्षित रिक्वेस्ट फार प्रपोजल के आधार पर निविदा आमंत्रित करने के निर्देश छत्तीसगढ़ लोकनिर्माण विभाग को दिए थे। इस निर्देश के बाद लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग रायपुर मंडल के अधीक्षण यंत्री ने नए सिरे से निविदा आमंत्रित की है, जो 10 सितंबर को खोली जाएगी।

यात्रा होगी आसान: बिलासपुर से रायपुर तक की सड़क 107 किलोमीटर है।

वर्तमान में इस सड़क पर इतनी दूरी का सफर तीन घंटे का है। फोरलेन बनने के बाद यह सफर लगभग 2 घंटे का हो जाएगा। न्यायधानी से राजधानी तक प्रतिदिन सैकड़ों लोग सड़क मार्ग से सफर करते हैं। इन यात्रियों का सफर आसान होने के साथ-साथ समय भी बचेगा और काम भी जल्दी निपट जाएंगे।

ये होगा फिजिबिलिटी टेस्ट में

- देखा जाएगा कि रायपुर तक बनने वाली सड़क में यातायात की स्थिति क्या है।
- दिन और रात मिलाकर 24 घंटे में इस मार्ग पर कितने चार पहिया वाहन गुजरते हैं।
- कितने हल्के और कितने वजनी वाहन हैं। ज्यादातर गुजरने वाली गाड़ियां कौन सी हैं।
- किस मौसम में यातायात कम व ज्यादा होता है और ऐसा क्यों होता है।
- बिलासपुर से रायपुर तक फोरलेन की आवश्यकता है या सिक्सलेन की?